ईसा (अलै०) एक मुस्लिम

इस्लाम का अर्थ है – शांति ।
इस्लाम का एक और अर्थ होता – अपनी इच्छा को अल्लाह की इच्छा में मिला देना या न्योछावर कर देना । यही बात ईसा (अलै0) कहते हैं बाईबल में (John 05:30) में
"मैं अपनी इच्छा नहीं अपने भेजने वाले की इच्छा चाहता हुँ"
जैसा कि ईसा (अलै0) ने उपर कहा वैसे ही हर वह इंसान जो अपनी इच्छा से उपर अल्लाह की इच्छा को रखता है और अपनी इच्छाओं को अल्लाह की इच्छा पर न्योछावर कर देता उसे ही मुस्लिम कहते हैं । कुरआन में ईसा (अलै0) को मुस्लिम कहा गया है। (पवित्र कुरआन 3: 52)

मैं और मेरे पिता एक हैं

जब यह कहा जाता है कि ईसा (अलै0) ने कभी भी खुदा होने का दावा नहीं किया तो कइ ईसाई भाई युहन्ना (John) 10 :30 का हवाला देते है जिसमें ईसा (अलै0) खुद कह रहे हैं कि "मैं और मेरे पिता एक हैं" मगर जब उसे इस वाक्य का (युहन्ना 10 :30) का संदर्भ पूछा जाता है तो वो नहीं बता सकते लेकिन अगर हम इस वाक्य का संदर्भ (Context) देखें तो हमें पता चलेगा कि दरअसल लोग यहाँ ईसा (अलै0) के अर्थ का अनर्थ कर रहे हैं। वैसे तो वाक्य का संदर्भ (युहन्ना 10 : 23) से शुरू होता है जब ईसा मसीह सोलोमन के मंदिर में प्रवेश करते हैं और यहूदी उन्हें घेर लेते हैं । " 28. और में उन्हें अनन्त जीवन देता हूँ और वे कभी नाश ना होंगे,और कोई उन्हें मेरे हाथ से छिन ना सकेगा। 29.मेरे पिता, जिसने उन्हें मुझको दिया है, सबसे बड़ा है, और कोई उन्हें पिता के हाथ से छिन नहीं सकता। 30. मैं और मेरे पिता एक हैं।"(युहन्ना, John 10 :28,29,30)
तो देखा आपने 28 वी और 29 वी आयत Verse में एक जैसे शब्दों का इस्तेमाल ईसा मसीह और ईश्वर की विशेषताऐं बताने के लिए हुआ है।
फर्ज कीजिए कि अगर मै डॉक्टर हूँ और कॉर्डियोलोजिस्ट हूँ और मेरा दोस्त भी डॉक्टर (कॉर्डियोलोजिस्ट) है तो मैं यह कह सकता हुँ कि हम दोनों एक ही है पेशे के हिसाब से (By Profession) इसका यह मतलब नहीं कि हम दोनों शारीरिक, मानसिक और व्यक्तिगत रूप से समान है। हम दोनो की व्यक्तिगत्व अलग अगल है भले ही हम किसी खास क्षेत्र (नौकरी,पसंद आदि) में एक हो।

ईसा के मुहम्मद (सल्ल०) के बारे में भविष्यवाणी

"मैं पिता से विनती करूँगा और वह तुम्हें एक और सहायक देगा।" (युहन्ना John 14 :16)
"परंतु जब वह अर्थात् सत्य का आत्मा आएगा तो तुम्हें सारी सच्ची बातें बताएगा क्योंकि वह अपनी ओर से ना कहेगा, परंतु जो कुछ सुनेगा, वही कहेगा और आने वाली बातें तुम्हें बताएगा वह मेरी महिमा करेगा.....।" (युहन्ना 16 : 12,13,14)
और हम जानते हैं कि मुहम्मद (सल्ल0) ने ईसा (अलै0) की महिमा की । ज्यादा जानकारी के लिए पढ़ें किताब Muhummed (S.a.w) The Natural Successor to Christ (हम आपको मुफ्त दे सकते हैं।)

अपने खुद के कुरआन के लिए जो ईसा (अलै०) और मरयम की महिमा बयान करता है
हम से स्मपर्क करें 8987409608,7677180988

ईसा मसीह

इस्लाम

की

नजर में

Qur'an Avilable in Hindi & English for all Non Muslims
गैर मुस्लिम हिन्दी और अंग्रेजी में कुरआन के लिए सम्पर्क करें

IRPC
Islamic Research & Propagation Centre
Shah Market, Station Road, Giridih
Contact .: 8987409608, 8409073023
www.facebook.Com/irpcgiridih www.youtube.Com/irpcgiridih
www.twitter.Com/irpcgiridih